भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 188

सोमवार, 25 नवम्बर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

रामटेक को रामायण सर्किट से जोड़ना

188. श्री श्यामकुमार दौलत बर्वे:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए रामटेक लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में अंभोरा रामटेक और अदासा तीर्थ स्थलों में अवसंरचनात्मक विकास के लिए निधि आवंटित करने का है;

(ख) क्या सरकार को जानकारी है कि रामटेक भगवान राम के लिए प्रसिद्ध है क्योंकि भगवान राम यहां रुके थे और इसे महाराष्ट्र राज्य के प्रयाग के रूप में भी जाना जाता है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार रामटेक को रामायण सर्किट से जोड़ने का है; और

(घ) क्या सरकार का विचार नागार्जुन नामक बौद्ध तीर्थस्थल और भगवान शिव के एक प्राचीन मंदिर, जो रामटेक लोक सभा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में रामटेक दर्शन के लिए आकर्षण का केंद्र है, के बीच रोपवे प्रदान करने का है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं, 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान' (प्रशाद) और 'स्वदेश दर्शन' के माध्यम से राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता करता है।

मंत्रालय ने 42.18 करोड़ रुपये की लागत से 'त्र्यंबकेश्वर का विकास' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है और 'श्री घृष्णेश्वर शिवालय, छत्रपति संभाजी नगर जिला', 'तुलजापुर, धाराशिव जिला' और 'श्रीक्षेत्र राजूर, गणपति मंदिर, जालना जिला' नामक 3 स्थलों की 'प्रशाद' योजना के तहत पहचान की गई है।

इसके अलावा, स्वदेश दर्शन योजना के तहत, मंत्रालय ने महाराष्ट्र में क्रमशः 19.06 करोड़ रुपये और 45.47 करोड़ रुपये की लागत वाली 'सिंधुदुर्ग तटीय सर्किट सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मितभव' का विकास और 'वाकी-अदसा-धापेवाड़ा-पराडसिंहा-तेलनखंडी-गिरद का विकास' नामक कुल 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत 76.22 करोड़ रुपये की लागत से 'शिवसृष्टि ऐतिहासिक थीम पार्क-चरण 3' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी है। इसके अलावा, महाराष्ट्र में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना, चुनौती आधारित गंतव्य विकास के तहत 'अहमदनगर' नामक एक गंतव्य की पहचान की गई है।

(ग) से (घ): इस मंत्रालय के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

******